हेपेटाइटिस-'बी'-एक घातक रोग

हेपेटाइटिस -'बी' क्या है?

हेपेटाइटिस –'बी' अति संक्रमणकारी विषाणुओं द्वारा होने वाला एक गंभीर रोग है। इसमें लिवर पर हमला होता है जिससे घातक बीमारी हो सकती है, लिवर क्षतिग्रस्त हो सकता है, और कुछ मामलों में मत्यु भी हो सकती है।

हेपेटाइटिस -'बी' विषाणु से संक्रमण किस को हो सकता है?

संक्रमित व्यक्ति से आपको खतरा हो सकता है यदि आप–

- ऐसा काम करते हैं जिसमें आप संक्रमित व्यक्ति के रक्त के सम्पर्क में आते हैं,
- ऐसे व्यक्ति के निरंतर सम्पर्क में रहते हैं जो चिरकारी हेपेटाइटिस–'बी' विषाणु (एच बी वी) संक्रमण से ग्रस्त है,
- इंजेक्शन द्वारा नशीले पदार्थ अथवा दवा लेते हैं,
- पीलिया से ग्रस्त हैं,
- बिना सही जांच किए किसी व्यक्ति का रक्त आपको चढ़ाया गया है,
- हीमोफीलिया से ग्रस्त हैं,
- अन्य देशो के ऐसे क्षेत्रों में यात्रा करते हैं जहां हेपेटाइटिस–'बी' बहुत अधिक फैला हुआ है।

हेपेटाइटिस-'बी' विषाणु कहां पाए जाते हैं?

जो व्यक्ति हेपेटाइटिस–'बी' से ग्रस्त होते हैं उनके रक्त और शरीर के कुछ तरल पदार्थों, जैसे सीरम, वीर्य और योनिस्राव में विषाणु पाए जाते हैं। हेपेटाइटिस –'बी' विषाणु पसीने, आंसुओं, मूत्र या श्वसन–स्रावों में नहीं पाए जाते। हेपेटाइटिस–'बी' विषाणु से संक्रमित रक्त की जरा-सी मात्रा के संपर्क में आने से भी संक्रमण हो सकता है।

हेपेटाइटिस-'बी' विषाणु कैसे फैलता है?

हेपेटाइटिस –'बी' विषाणु इन कारणों से फैल सकता है:

- किसी संक्रमित माता द्वारा बच्चे को जन्म देते समय,
- किसी संक्रमित व्यक्ति के रक्त या रिसते जख्म के सम्पर्क में आने से,
- किसी चिरकारी रोग से संक्रमित व्यक्ति के सीधे सम्पर्क में आने के दौरान,
- कान या अंग-छेदन, गोदना या ऐक्यूपंचर के समय निर्जर्मीकत न की गई सुई का प्रयोग करने पर,
- बार-बार एक ही प्रतिरक्षण का लगातार प्रयोग करना,
- असुरक्षित यौन संबंध बनाना।

हेपेटाइटिस-'बी' विषाणु किसके द्वारा नहीं फैलता?

- आकस्मिक संपर्क से, जैसे हाथ मिलाने से,
- संक्रमित व्यक्ति द्वारा बनाया गया भोजन खाने से,
- संक्रमित व्यक्ति के घर जाने से, छींकने या खांसने से।

हेपेटाइटिस-'बी' के क्या लक्षण हैं?

हेपेटाइटिस –'बी' विषाणु के संक्रमण से ग्रसित लगभग आधे व्यक्तियों में इस रोग के कोई लक्षण नहीं होते। यदि लक्षण हों तो वे निम्नलिखित में से कुछ या सभी लक्षणों को महसूस कर सकते है:–

- भूख न लगना,
- त्वचा और आंख का पीला होना (पीलिया),
- जी मिचलाना, उल्टियां आना,
- बुखार से कमजोरी आना, थकान, हफ्तों या महीनों काम न करने की इच्छा,
- पेट में दर्द और / या जोड़ो में दर्द,
- पेशाब का गहरे काले रंग का होना।

क्या हेपेटाइटिस-'बी' संक्रमित व्यक्ति ठीक हो सकते हैं?

लगभग **95%** प्रौढ़ कुछ महीने के बाद ठीक हो जाते हैं। उनका शरीर संक्रमण से मुक्त हो जाता है और वे प्रतिरक्षित हो जाते हैं। दुर्भाग्यवश लगभग 5% प्रौढ़ और 90% तक 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के शरीर संक्रमण से मुक्त नहीं हो पाते। वे चिरकारी रोग से ग्रस्त हो जाते हैं।

यह कैसे ज्ञात होता है कि किसी को हेपेटाइटिस-'बी' संकमण है या नहीं ?

केवल रक्त की जांच कराने से ही ज्ञात हो सकता है कि क्या कोई व्यक्ति हेपेटाइटिस –'बी' से संक्रमित है। अस्पतालों व जांच केन्द्रों में अनेक प्रकार के रक्त–परीक्षण उपलब्ध है।

हेपेटाइटिस-'बी' विषाणु से चिरकारी रूप से संक्रमित हो जाने का क्या तात्पर्य है ?

जो लोग हेपेटाइटिस –'बी' विषाणुओं के संक्रमण से ठीक नहीं होते वे चिरकारी रूप से संक्रमित हो जाते हैं। यदि किसी व्यक्ति के रक्त में विषाणु छह माह से अधिक समय तक बने रहते हैं तो उसे चिरकारी रूप से संक्रमित माना जाता है। जो बच्चे पांच वर्ष से कम आयु के होते हैं उन्हें अधिक खतरा रहता है। संक्रमण के समय जो बच्चे जितने छोटे होते हैं उन्हें जान का खतरा उतना ही अधिक रहता है।

सामान्य लोग, जिनका लिवर खराब हो या जिन्हें लिवर का कैंसर हो, उन के मुकाबले में चिरकारी रूप से संक्रमित रोगी को अधिक खतरा रहता है।

हेपेटाइटिस-'बी' का पुराना रोगी कैसे सावधानी बरते?

हेपेटाइटिस–'बी' विषाणु से संक्रमित रोगी को किसी अनुभवी डाक्टर से निरंतर जॉंच कराते रहना चाहिए। डॉक्टर उसके लिवर के स्वास्थ्य व लिवर कैंसर की जांच करेगा। पुराने रोगी को शराब से परहेज करना चाहिए क्योंकि शराब से लिवर को क्षति होती है। यदि लिवर जांच में लिवर की किसी असामान्यता का पता चले तो लिवर विशेषज्ञ से उसकी जांच व इलाज कराना चाहिए।

यदि लिवर का रोग बढ़ गया है तो–

- प्रतिवर्ष इनफ्लूएन्जा का टीका लगवाना चाहिए। गंभीर लिवर रोग (सिरोसिस) में न्यूमोकोकाइ का टीका भी लगवाना चाहिए।
- हेपेटाइटिस–'ए' से बचाव के लिए टीका लगवाना चाहिए, क्योंकि हेपेटाइटिस –'ए' लिवर को और अधिक क्षतिग्रस्त कर सकता है।

हेपेटाइटिस-'बी' विषाणु संक्रमण से अन्य व्यक्तियों का बचाव कैसे कर सकते हैं ?

हेपेटाइटिस–'बी' विषाणु संक्रमण से अन्य व्यक्तियों को सुरक्षित रखने के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि उन्हें रोगी के संक्रमित रक्त के संपर्क में आने से रोका जाए और संक्रमित रोगी के शरीर से निकलने वाले अन्य तरल पदार्थों, जैसे वीर्य और व योनिस्रव, से उनका बचाव किया जाए।

हेपेटाइटिस-'बी' विषाणु संक्रमण के पुराने रोगियों के साथ क्या करना चाहिए और क्या नहीं ?

क्या करें -

- रोगी के घाव व खुले जख्मों पर पट्टी बांध कर रखें।
- प्रयोग की गई चीजों को सावधानी पूर्वक हटा दें ताकि कोई व्यक्ति संयोग से संक्रमित रक्त को छू न ले।
- रक्त या शरीर से निकलने वाले संक्रमित स्राव को छूने के बाद हाथों को अच्छी तरह धो लें।
- घर में रोगी के साथ रहने वाले सदस्यों को बताएं कि वे डॉक्टर से जांच कराएं व हेपेटाइटिस–'बी' का टीका लगवाएं।
- डाक्टर को बता दें कि आप हेपेटाइटिस –'बी' विषाणु के पुराने रोगी हैं।
- कैंसर के अलावा लिवर की अन्य असामान्यता की जांच डॉक्टर से लगातार कराते रहें।

क्या न करें -

- एक–दूसरे के दांत साफ करने के ब्रुश, रेजर, धुलने वाले कपड़े, कान या अंग छेदने वाली सुई या किसी भी ऐसी चीज का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए जो रक्त या संक्रमित स्राव के संपर्क में आई हो।
- किसी एक पर प्रयुक्त सिरिन्ज या सुई का इस्तेमाल दूसरों पर नहीं करना चाहिए।
- रोगी अपना रक्त किसी दूसरे के इस्तेमाल के लिए दान में न दें।

हेपेटाइटिस-'बी' विषाणु संक्रमण के दीर्घकालीन प्रभाव क्या होते हैं?
दुनियां में हेपेटाइटिस –'बी' विषाणु संक्रमण लिवर कैन्सर का सबसे बड़ा आम कारण है। दूसरे नम्बर पर सिगरेट आती है।

क्या हेपेटाइटिस-'बी' का कोई इलाज है?
कुछ दवाइयॉं उपलब्ध हैं जो हेपेटाइटिस –'बी' विषाणु से संक्रमित रोगी की मदद कर सकती हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए हेपेटाइटिस-'बी' घातक क्यों है?
जो गर्भवती महिलाएं हेपेटाइटिस –'बी' विषाणु से संक्रमित हैं उनसे यह रोग उनके बच्चों को हो सकता है। ये बच्चे चिरकारी हेपेटाइटिस –'बी' विषाणु के रोगी हो जाते हैं तथा बाद में उनका लिवर या तो काम करना बंद कर देता है या उन्हें लिवर कैंसर हो जाता है। सभी गर्भवती महिलाओं को गर्भधारण के शीघ्र ही बाद जांच करानी, चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे हेपेटाइटिस –'बी' विषाणु से संक्रमित तो नहीं हैं। यदि रक्त जांच से संक्रमण साबित हो जाता है तो बच्चे को हेपेटाइटिस –'बी' का टीका लगवाना चाहिए।

हेपेटाइटिस-'बी' को कैसे रोका जा सकता है?
टीका लगाकर 90% - 95% प्रतिशत स्वस्थ युवकों को सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। शिशुओं, बच्चों व प्रौढ़ों को अक्सर लगभग छह माह के भीतर तीन टीके लगाकर सुरक्षित किया जा सकता है। हेपेटाइटिस –'बी' का टीका बहुत ही सुरक्षित है और इसके दुष्परिणाम कम ही होते हैं। अधिक जानकारी के लिए अपनी निकटतम डिस्पेन्सरी या अपने इलाके के डॉक्टर से सम्पर्क करें।

डॉ. देव कान्त राव, पूर्व शैक्षिक आधिकरी, एनआईओएस